

मीनै रौ दौरम आणै कौइ शौरीर स्वस्थ रौयै



Bangani

मीनै रौ दौरम आणै कौइ शौरीर स्वस्थ रौयै

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

परकाशण:-

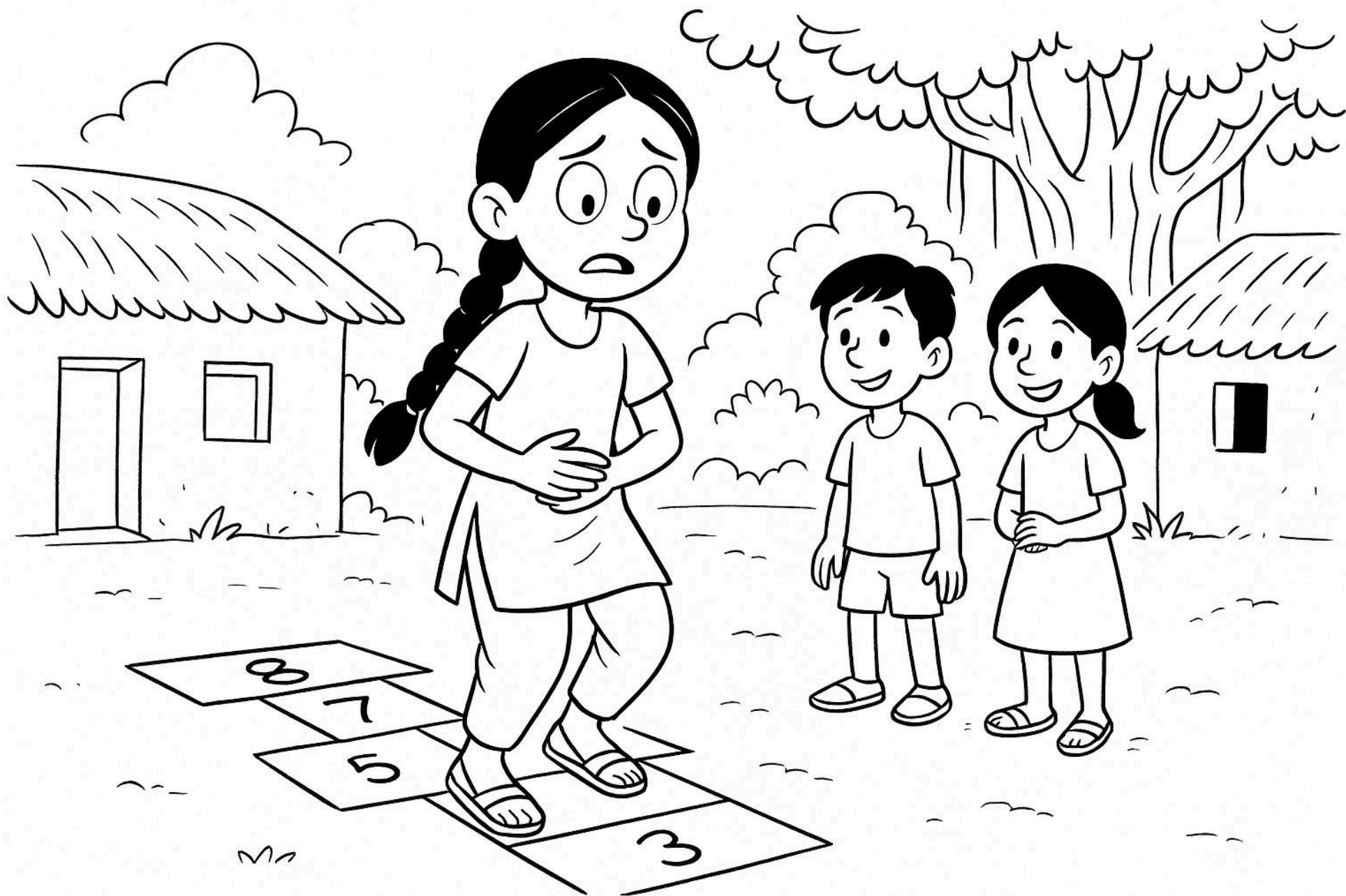
NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बड़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद॥



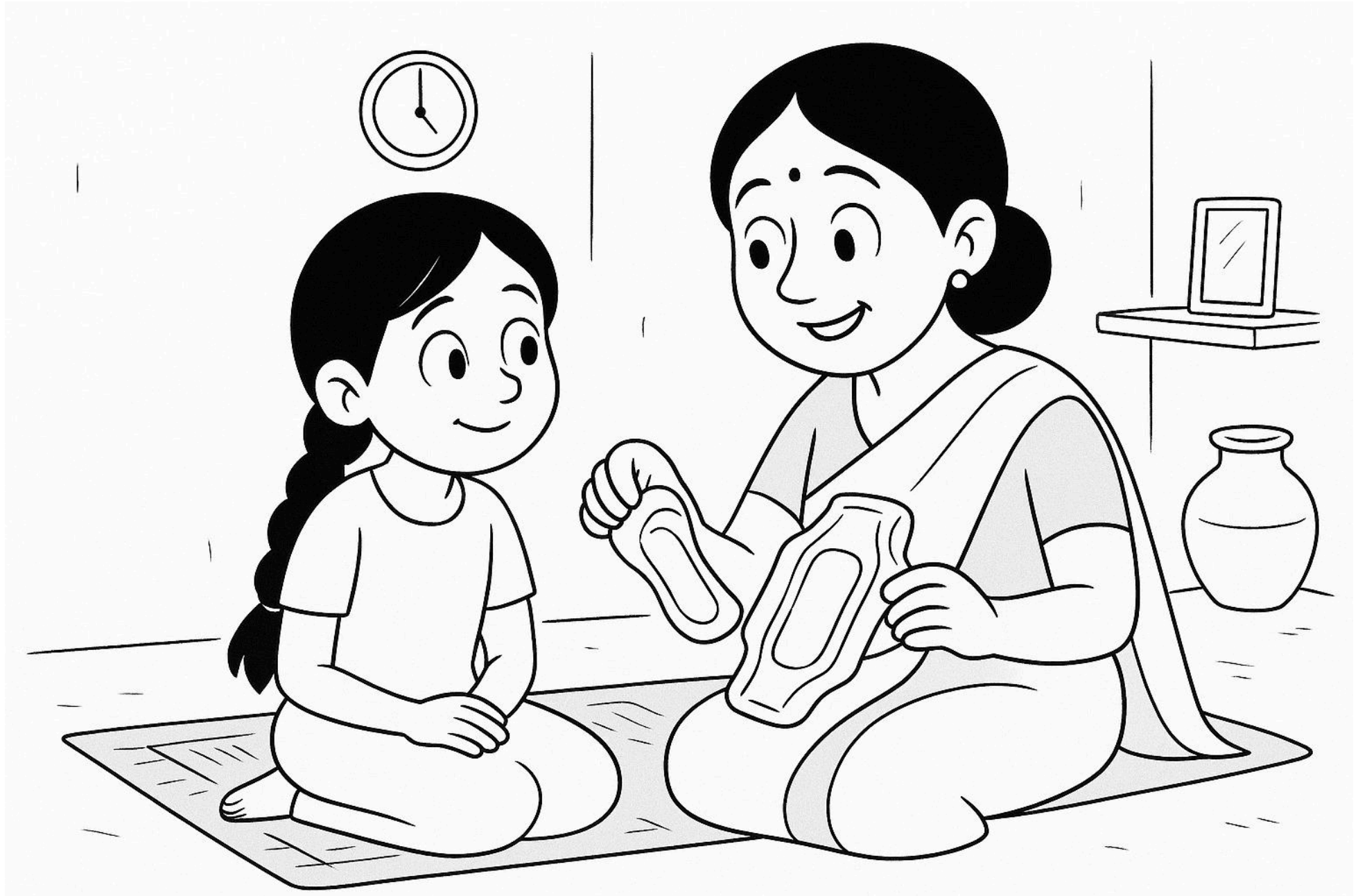
एक गाउँ दि रीता नौऊँ री एक लौड़की रौयै
थी। सै आपड़ी सैऽलीउँ रै साथै रौइ थी
खेलदि लागी। कुदरती तिरौ पेट दुखदै
लागौ, सै तेतकौइ आपड़ै गौरै डेइ तियै
आपड़ी आमा आरी बोलौ, कि कुछ गड़बड़
रौ लागदै लागी।



रीता री आमाइ तिकै गिण देइ औज़ि बोलौ
कि एऊ एशौइ औयै केलाकि ताउँकै एत्रा
कौइ मीनै रौ दौरम री शुरुआरी औई गोइ।
रीता बौरी रौई थी डौरी पर तिंरी आमाइ सै
सौमज़ाइ कि लौड़किउँ कै एशेशौ औन्दु रौयै
केलाकि ऐबै तु बौड़ी ऊई गोई।



औज़ि तिंरी आमाइ बोलौ कि एऊ मीनै रौ
दौरम रौरीर री प्राकृतिक प्रक्रिया, एऊ हर
मीने दि गर्भाशय कौइ खुन आशै। औज़ि
एसकौइ शौरीर स्वस्थ रौयै। रीताइ एज़ि सारी
बुशै दियान कौइ शुणी।



तिंरी आमाइ तिंकै सैनिटरी पैड देणौ औज़ि
एशौ बी बोळौ कि एसरौ इस्तेमाल केशौ
कौरिण। एस पैडेइ साफ कौच्छे दि लायै।
एस लाइयौ खून बारै जुड़कौउं दि ना लागदौ।



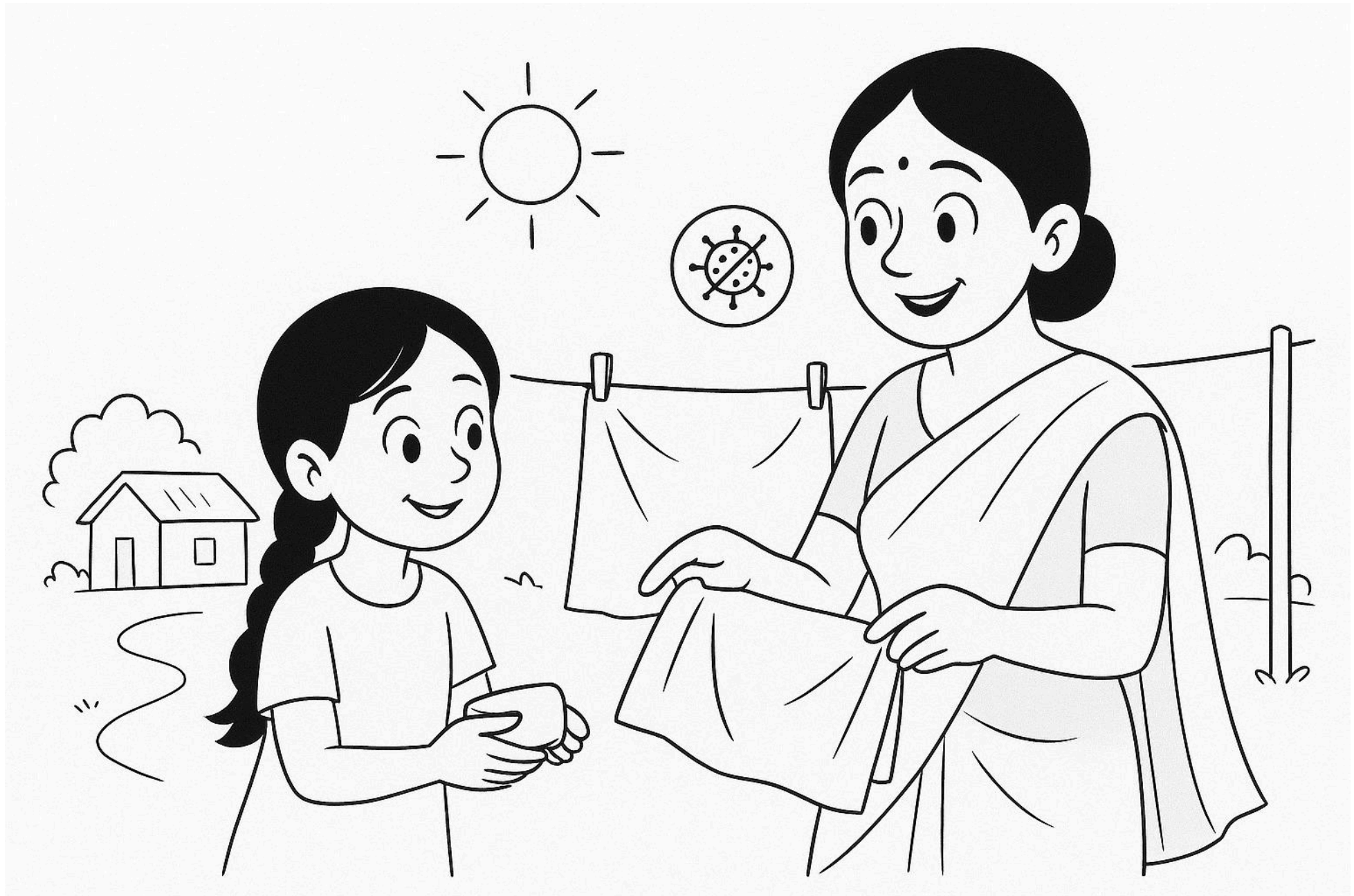
औज़ि रीता आरी एशौ बी बोलौ कि एस
पैडेइ 4-6 गौन्टै बासियै बौदलुणौ बौरी
ज़ौरूरी। नाइतै कोइ बीमारी बी फैली सौकै।
गान्दौ पैड इस्तेमाल कौरणै कोइ तौबियत
खौरा औई सौकै। एसमाइं हमेशाइ साफ
सुथरौ रौणै च़ाइं।



तिंरी आमाइ बी काफी दियान थौ कि मीनै रै
दौरम रै बौक्ते दि साबुण कौइ आथ दोणौ
जोरूरी चाइं। पैड बौदलुणै कौइ औगौणिकै
औज़ि तेसबासिये आथ दोणौ चाइं एसकौइ
बैक्टीरिया फैलणै कौइ बौचिण।



रीता री आमाइ बोलौ कि इस्तेमाल कियौन्दौ
पैडेइ एक कागज़ पोखू लौपेटियौ कुड़ैदान दि
फिरकाणै चाइं। एस खुले दि औज़ि नाळिउं
दि ना फिरकाइयौ। नाइतै आमारौ पर्यावरण
खौराब औयै। गाउँ दि एशौ सारिउं कै
शिकाणौ ज़ौरूरी।



जौ केत्रा पैड ना औयै लौ तेत्रा साफ कौपड़ा
रौ इस्तेमाल कौरियौ, तेतबासियै तेस बौड़िया
कौइ दोइयौ शुकाइयौ, सेउ कौपड़ा रूड़ी
कौइ शुकाणै कौइ किटाणु पोरू मौरैण,
हमेशाइ साफ कौपड़ा लाइयौ।



औज़ि तिंरी आमाइ बोलौ कि एज़ौ बौक्तेदि
पौष्टिक खाणौ खाणै चाइं। जैशौ फळ, शाग
औज़ि दूद। औज़ि ज़ादा पाणी पियौ औज़ि
आराम कौरौ। एसकौइ शौरीर मज़बुत रौयै।



रीता कै च़ेतावनी बी देणी कि कुछ लोग मानै
रौ दौरमेइ औशुद मानैण, पर ऐ लोगु री
गौलत सोच़ औयै। एऊ प्राकृतिक औयै।
औज़ि लौड़कियै केज़ौइ बी कामै कौइ
ना रुकदि।



ऐबै रीताइ बी एज़ि बुशै बौड़िया कौइ सौमज़ी
गोइ थी। तिन्यै इस्कुलेदि बी आपड़ौ सैलिउं
आरी एसरै बारेदि बोलौ। तिनुं बी शिकौ
साफ सुथरौ केशौ थौयैण। गाउं लौड़कियै बी
ऐबै जागरुक औई गोई थी।



रीताइ बी एबै एशौ ठाणी गोऔ थौ कि आउं
सारिउं कै मीनै रौ दौरम माइं सुरक्षित आदतुं
रै बारेदि शिकाउं एसकोइ आमारौ स्वास्थ्य
बौड़िया रौयै लौ औज़ि सौमाज बी मौज़बूत
बौणै लौ। बौड़िया ज़िन्दगी ज़िणे रवी स्वस्थ
रौणौ बौरी ज़ौरूरी औयै।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें।

और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....

